पाठ 32

अफ्रीका महाद्वीप : भौगोलिक स्वरूप

आइए सीखें

- अफ्रीका महाद्वीप की स्थिति को मानचित्र में पहचानना।
- अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय विशेषताएँ कौन-सी हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप की जलवायु दशाएँ क्या हैं?
- अफ्रीका महाद्वीप की वनस्पति एवं जीव-जन्तु कौन-कौन से हैं?

क्षेत्रफल की दृष्टि से अफ्रीका संसार का दूसरा बड़ा महाद्वीप है। उत्तर में यह भूमध्य सागर द्वारा यूरोप महाद्वीप से तथा उत्तर-पूर्व में लाल सागर और अरब सागर द्वारा एशिया महाद्वीप से अलग है। यह महाद्वीप पूर्व में हिन्द महासागर से और पश्चिम में अटलाण्टिक महासागर से घिरा हुआ है। उत्तर में जिब्राल्टर जल-सन्धि द्वारा यूरोप से जुड़ा है। उत्तरी पूर्वी छोर पर स्वेज नहर द्वारा एशिया से पृथक किया गया है। मानचित्र क्र. 19 को ध्यान से देखिए। उत्तरी और दक्षिणी गोलार्द्ध में अफ्रीका का विस्तार 37° उत्तरी अक्षांश से 35° दक्षिणी अक्षांश और 20° पश्चिमी देशान्तर से 50° पूर्वी देशान्तर के मध्य है।

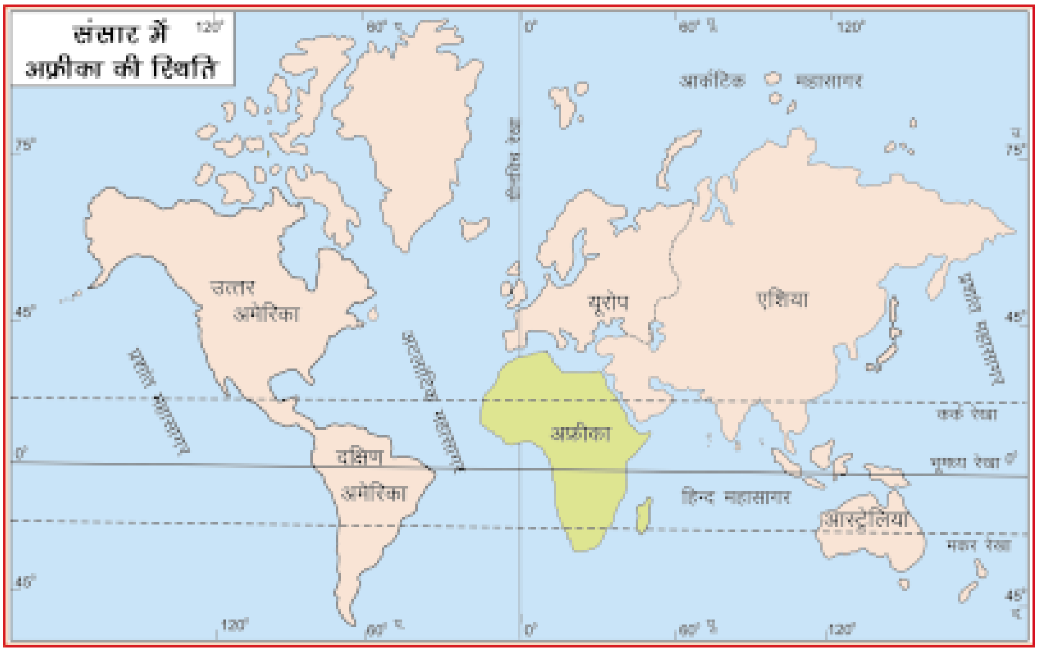

मानचित्र क्र.-19: विश्व में अफ्रीका की स्थिति

शिक्षण संकेत

- शिक्षक छात्रों को अफ्रीका महाद्वीप की स्थिति विश्व मानचित्र पर स्पष्ट करें।

भूमध्य रेखा इस महाद्वीप के मध्य भाग से तथा कर्क और मकर रेखाएँ क्रमशः उत्तर एवं दक्षिण भागों के मध्य से निकलती हैं। इसी प्रकार 0° की ग्रीनविच मुख्य देशान्तर रेखा भी इसके लगभग

मानचित्र क्र.-20: अफ्रीका राजनैतिक

पश्चिमी मध्य भाग से निकलती है। इस प्रकार यही एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसमें 0° की भूमध्य रेखा एवं 0° देशान्तर रेखा एक-दूसरे को गिनी की खाड़ी में काटती हैं।

बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में यूरोप के कई शक्ति सम्पन्न देशों ने इस महाद्वीप के देशों को अपने अधीन कर लिया था। अब लगभग सभी अफ्रीकी देश एक-एक कर स्वतंत्र हो गये हैं। इस महाद्वीप में 53 देश सम्मिलित हैं।

गतिविधि

अफ्रीका के राजनैतिक मानचित्र को ध्यान से देखिए व भूमध्य रेखा को आधार मानते हुए नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए–

भूमध्य रेखा से उत्तर दिशा में स्थित किन्हीं 5 देशों के नाम उनकी राजधानी सहित लिखिए–

	देश	राजधानी
1.	....	....
2.	....	....
3.	....	....
4.	....	....
5.	....	....

भूमध्य रेखा से दक्षिण दिशा में स्थित किन्हीं 5 देशों के नाम उनकी राजधानी सहित लिखिए–

	देश	राजधानी
1.	....	....
2.	....	....
3.	....	....
4.	....	....
5.	....	....

अफ्रीका महाद्वीप का धरातलीय स्वरूप

अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग पठारी है, इसलिए इसे पठारों का महाद्वीप भी कहा जाता है। उत्तर पश्चिम में पठार कुछ नीचा व दक्षिण पूर्व में ऊँचा है। यह महाद्वीप प्राचीन कठोर शैलों से बना है। तटीय भागों में संकरे मैदान मिलते हैं।

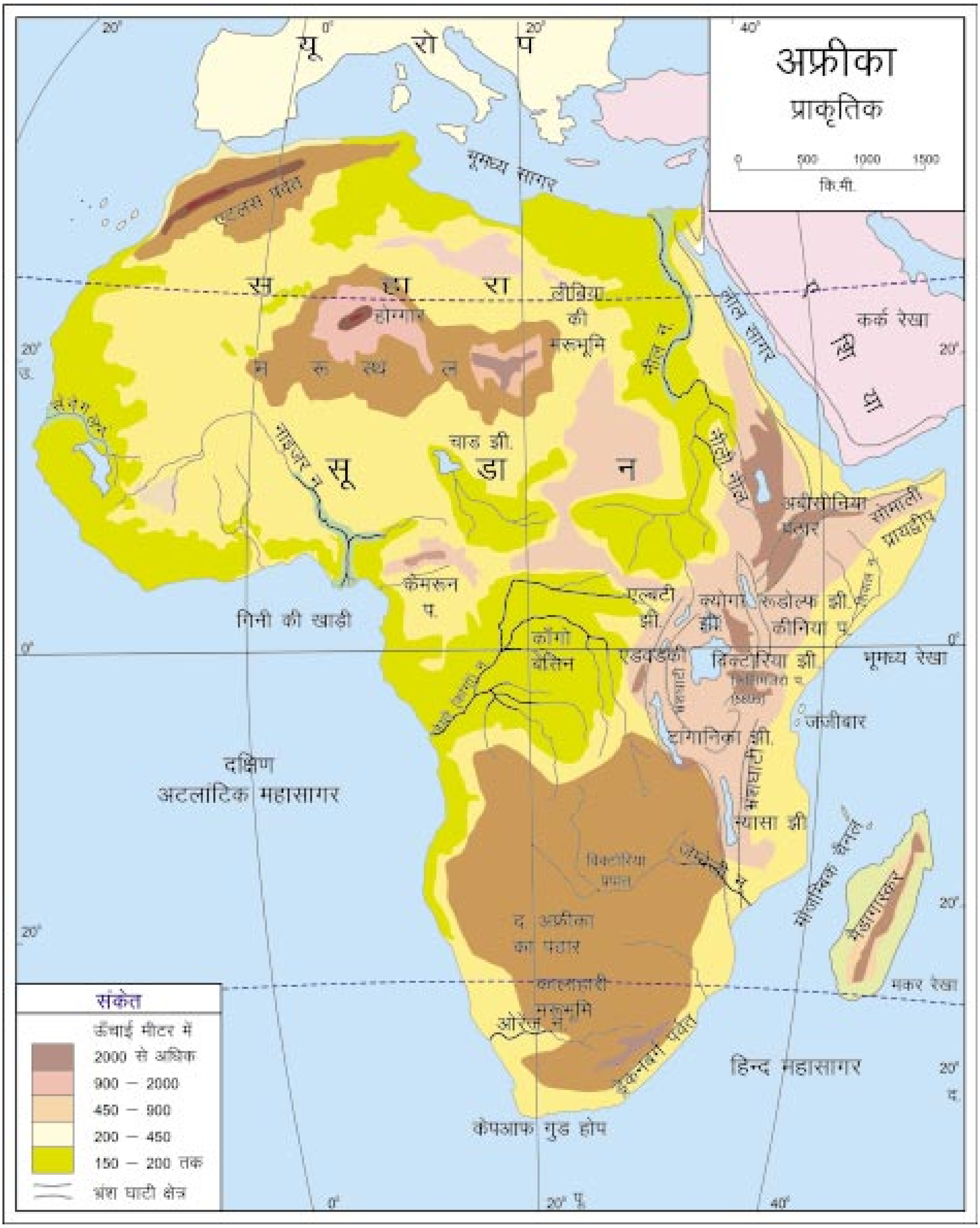

मानचित्र क्र.-21: अफ्रीका प्राकृतिक

शिक्षण संकेत

- अफ्रीका की भ्रंश घाटी को मानचित्र की मदद से समझाएँ।
- शिक्षक अफ्रीका के पर्वत, पठार, मैदान व नदियों की स्थिति मानचित्र के माध्यम से समझाएँ।

अफ्रीका महाद्वीप के पूर्वी भाग में भूमध्य रेखा के समीप सबसे ऊँचा ज्वालामुखी पर्वत किलीमंजारो 5895 मीटर ऊँचा है। यह वर्ष भर बर्फ से ढका रहता है। उत्तर-पश्चिम की ओर 1931 किलोमीटर लम्बी एटलस पर्वत शृंखला है, जो नवीन वलित पर्वत है। अफ्रीका के दक्षिण-पूर्व में ड्रैकेन्सबर्ग पर्वत शृंखला है। सहारा मरूभूमि में होगर पर्वत व तिबेस्ती पठार हैं। महाद्वीप के पश्चिम में कांगो और नाइजर नदी के बीच अदामावा का पठार है। इसका सबसे ऊँचा शिखर केमरून है। उत्तर-पूर्वी भाग में अबीसीनिया का पठार है।

अफ्रीका के धरातल की मुख्य विशेषता इसकी भ्रंश घाटियाँ, झीलें तथा जलप्रपात हैं। विश्व की सबसे लम्बी भ्रंश घाटी अफ्रीका के पूर्व में न्यास झील (मलावी झील) से तुरकाना झील (रूडाल्फ झील) होती हुई, लाल सागर और इजराइल के जार्डन घाटी तक फैली है। इस घाटी में प्रमुख झीलें विक्टोरिया, टेंगानिका, न्यास, अलबर्ट है। (देखिए मानचित्र क्र. 21)

दीवार के समान किनारे वाली लम्बी और गहरी घाटियाँ, जो भू-पटल में बड़ी-बड़ी दरारों के पड़ने से बनती है, भ्रंश घाटियाँ कहलाती है।

अफ्रीका महाद्वीप में बहुत बड़े-बड़े मरूस्थल भी हैं। सहारा मरूस्थल, अफ्रीका के उत्तरी मैदानी भाग में पश्चिम से पूर्व तक 90,65,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल है। अफ्रीका के दक्षिणी भाग में कालाहारी मरूस्थल स्थित है।

अफ्रीका महाद्वीप की मुख्य नदियाँ नील, कांगों, नाइजर, जेम्बेजी व सेनेगल हैं। नील नदी का डेल्टा काफी उपजाऊ है। अफ्रीका के मिस्र देश में नील नदी द्वारा बहाकर लाई गई मिट्टी के कारण कृषि का अच्छा विकास हुआ है, इसलिए नील नदी को मिस्र का वरदान भी कहते हैं।

- **अफ्रीका के मुख्य पर्वत- किलिमंजारो, एटलस, ड्रेकेन्सबर्ग।**
- **अफ्रीका के मुख्य पठार- अदामावा, तिबेस्ती, अबीसिनिया।**
- **अफ्रीका की मुख्य झीलें- विक्टोरिया, टेंगानिका, न्यास, अलबर्ट।**
- **अफ्रीका का मुख्य जलप्रपात- विक्टोरिया।**
- **अफ्रीका के मुख्य मरुस्थल- सहारा व कालाहारी।**
- **अफ्रीका की मुख्य नदियाँ- नील, जायरे कांगों, नाइजर, जेम्बेजी और सेनेगल।**

जलवायु एवं वनस्पति

अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग कर्क से मकर रेखा के मध्य फैला हुआ है और भूमध्य रेखा (विषुवत रेखा) इसके मध्य से गुजरती है। इस प्रकार महाद्वीप का अधिकांश विस्तार उष्ण कटिबंध में है। केवल उत्तर एवं दक्षिण का कुछ भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में फैला है। अन्य महाद्वीपों की अपेक्षा इस महाद्वीप में उष्ण कटिबंधीय परिस्थितियों का प्रभाव सबसे अधिक है। यहाँ वर्षभर ऊँचा तापमान

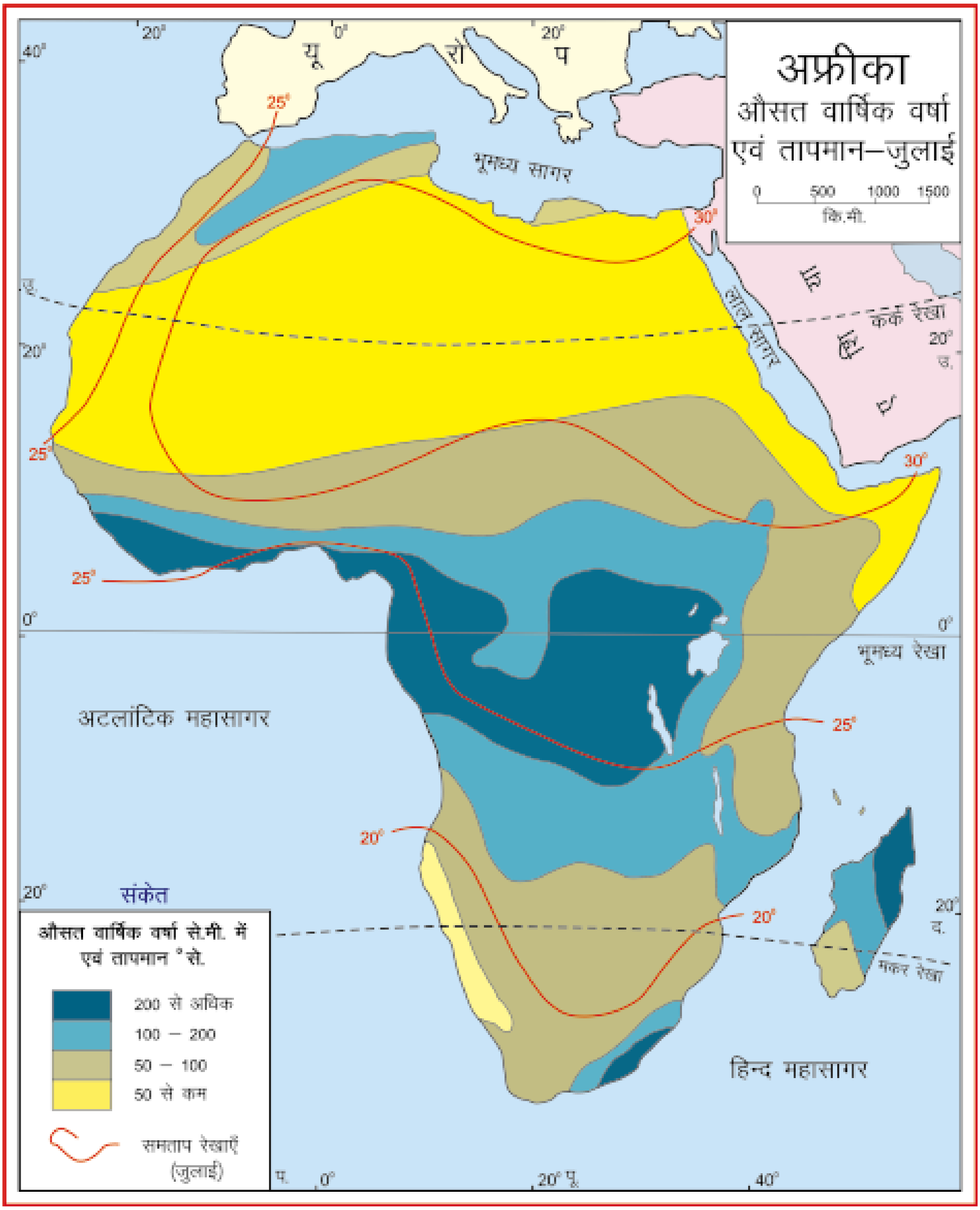

मानचित्र क्र.-22: अफ्रीका की औसत वार्षिक वर्षा एवं तापमान

रहता है। संसार का सबसे गर्म स्थान अल अजीजिया लीबिया में स्थित है। पर्वतीय भागों में साधारण तापमान रहता है। पठारी भागों में दिन का तापमान अधिक और रात का तापमान कम हो जाता है। अफ्रीका में वर्षा के वितरण में भिन्नता है। अफ्रीका के वार्षिक वर्षा के मानचित्र क्र. 22 को ध्यान से देखिए। भूमध्य रेखा के निकट दोनों ओर फैले क्षेत्रों में उष्ण और आर्द्र (गर्म व तर) जलवायु पाई जाती है। यहाँ प्रतिदिन वर्षा होती है और वर्षभर उष्ण और आर्द्र ग्रीष्म ऋतु रहती है। अधिक गर्मी और वर्षा के कारण इस क्षेत्र में उँचे-उँचे वृक्षों वाले घने वन पाये जाते हैं, जिन्हें ऊष्ण कटिबंधीय या भूमध्यरेखीय वर्षावन कहते हैं, इन घने वनों में विभिन्न प्रकार के वन्य प्राणी रहते हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 23)

भूमध्यरेखीय जलवायु प्रदेश के उत्तर व दक्षिण में सवाना क्षेत्र का विस्तार है, जहाँ ग्रीष्म ऋतु उष्ण, किन्तु शीत ऋतु सामान्य रहती है। वर्षा, ग्रीष्म ऋतु में होती है। इस प्रकार की जलवायु अधिकांशतः सूडान देश में पाई जाती है, इसलिए इसे सूडानी या सवाना तुल्य जलवायु प्रदेश भी कहते हैं। अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग, इस प्रकार की जलवायु के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में बड़ी-बड़ी घास उगती है, जिसे सवाना या 'हाथी घास' कहते हैं। इस प्रदेश में घास खाने वाले विभिन्न प्रकार के पशुओं तथा ऐसे शाकाहारी पशुओं को खाने वाले मांसाहारी पशुओं की बहुतायत है। यह क्षेत्र संसार के बहुत बड़े चिड़ियाघर के रूप में विख्यात हैं।

सवाना प्रकार की जलवायु के दोनों ओर उत्तर व दक्षिण में मरुस्थलीय जलवायु पाई जाती है। उत्तर में सहारा और दक्षिण में कालाहारी मरुस्थल हैं। विश्व के उच्चतम तापमान इसी क्षेत्र में पाए जाते हैं। यहाँ वर्षा नाममात्र की होती है। यहाँ कटीली झाडियाँ ही मिलती हैं।

उष्ण मरुस्थलीय जलवायु के उत्तर-पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में भूमध्यसागरीय जलवायु पाई जाती है। इस क्षेत्र में शीत ऋतु में वर्षा होती है और ग्रीष्म ऋतु शुष्क रहती है। दक्षिण अफ्रीका में शीतोष्ण घास का मैदान पाया जाता है, जिसे वेल्ड्स कहते हैं।

अफ्रीका के जीव-जन्तु

अफ्रीका महाद्वीप में विविध प्रकार के जीव-जन्तु पाए जाते हैं। वृक्ष पर रहने वाले जीव-जन्तुओं में बन्दर, लंगूर, साँप, गिरगिट, छिपकली और रंग-बिरंगी तितलियाँ प्रमुख हैं। (देखिए मानचित्र क्र. 23)। भूमि पर रहने वाले जीवों में हाथी, गेंडा, जेब्रा, जिराफ, जंगली भैंसा (बाइसन), जंगली सूअर मुख्य हैं। कालाहारी मरूस्थल में शुतुरमुर्ग नामक चिड़िया मिलती है। यहाँ पाई जाने वाली टेटसी मक्खी के काटने से मनुष्य की मृत्यु तक हो जाती है। पानी में रहने वाले जीवों में मगरमच्छ, घड़ियाल तथा दरियाई घोड़ा और विभिन्न प्रकार की मछलियाँ सम्मिलित हैं।

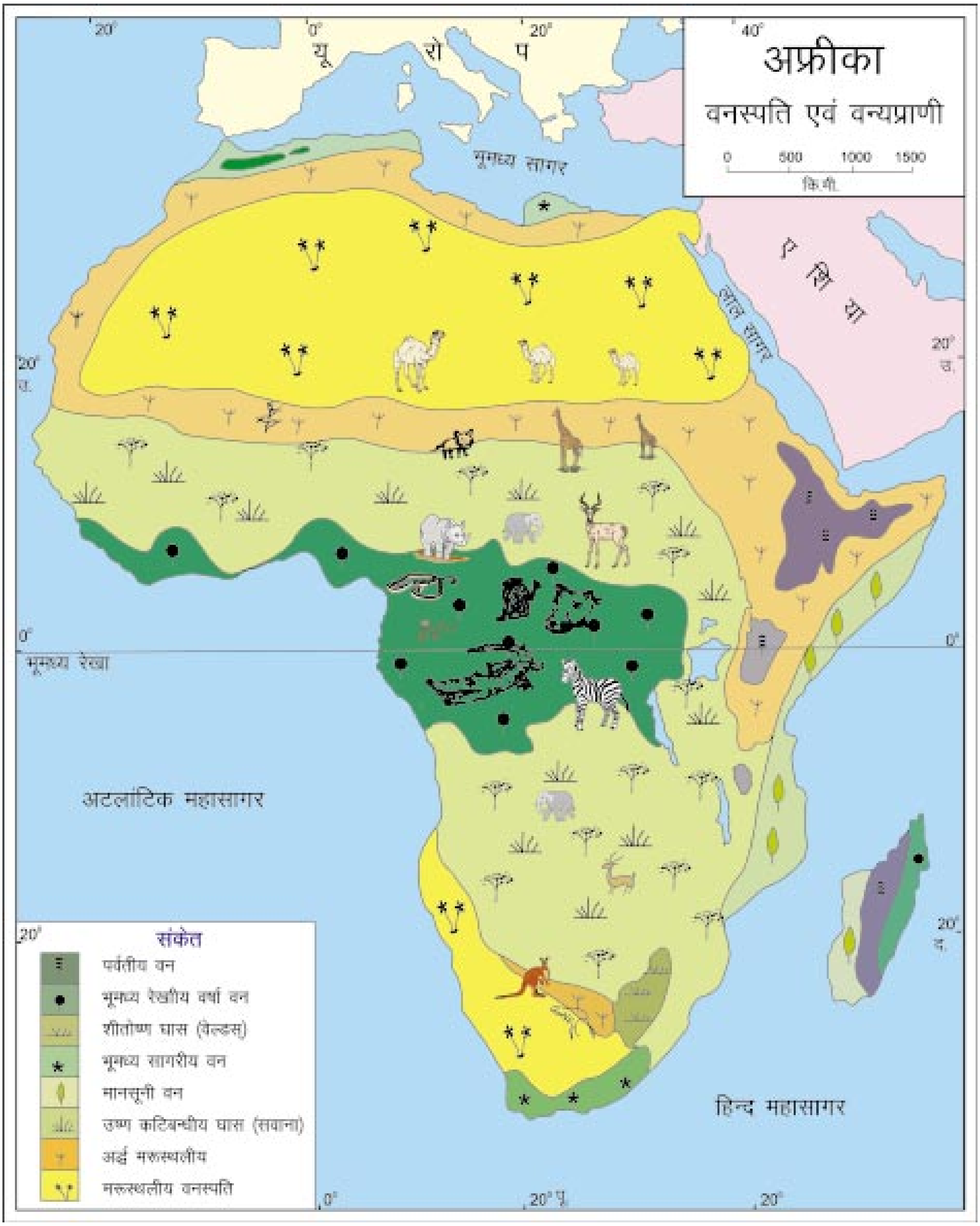

मानचित्र क्र.-23: अफ्रीका की वनस्पति एवं वन्य प्राणी

अभ्यास प्रश्न

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) अफ्रीका महाद्वीप में लगभग ------- देश हैं।

(2) अफ्रीका, एशिया महाद्वीप से ------- नहर द्वारा पृथक किया गया है।

(3) अफ्रीका, यूरोप महाद्वीप से -------- जलडमरूमध्य द्वारा पृथक है।

(4) क्षेत्रफल की दृष्टि से अफ्रीका संसार का ------ बड़ा महाद्वीप हैं।

2. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) अफ्रीका की किन्हीं तीन प्रमुख नदियों के नाम लिखिए।

(2) अफ्रीका के प्रमुख मरूस्थलों के नाम लिखिए।

(3) अफ्रीका के भूमध्य रेखीय क्षेत्र की जलवायु कैसी हैं?

(4) "सवाना" व "वेल्ड्स" से आप क्या समझते हैं?

(5) अफ्रीका के चारों ओर कौन-कौन से सागर व महासागर हैं?

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) अफ्रीका महाद्वीप की धरातलीय संरचना को समझाइए।

(2) अफ्रीका महाद्वीप की जलवायु एवं वनस्पति का वर्णन कीजिए।

(3) अफ्रीका महाद्वीप के सवाना घास के मैदान व जीव-जन्तु का वर्णन कीजिए।

मानचित्र कार्य– निम्नांकित को अफ्रीका के रेखा मानचित्र में दर्शाइए–

(1) किलिमंजारो पर्वत

(2) ड्रेकेन्सबर्ग पर्वत

(3) सहारा मरुभूमि

(4) कांगों व नाइजर नदी

(5) रूडाल्फ झील

(6) भ्रंश घाटी क्षेत्र

(7) विक्टोरिया जलप्रपात

(8) कालाहारी मरुस्थल

(9) सवाना घास भूमि

(10) वेल्ड्स घास भूमि

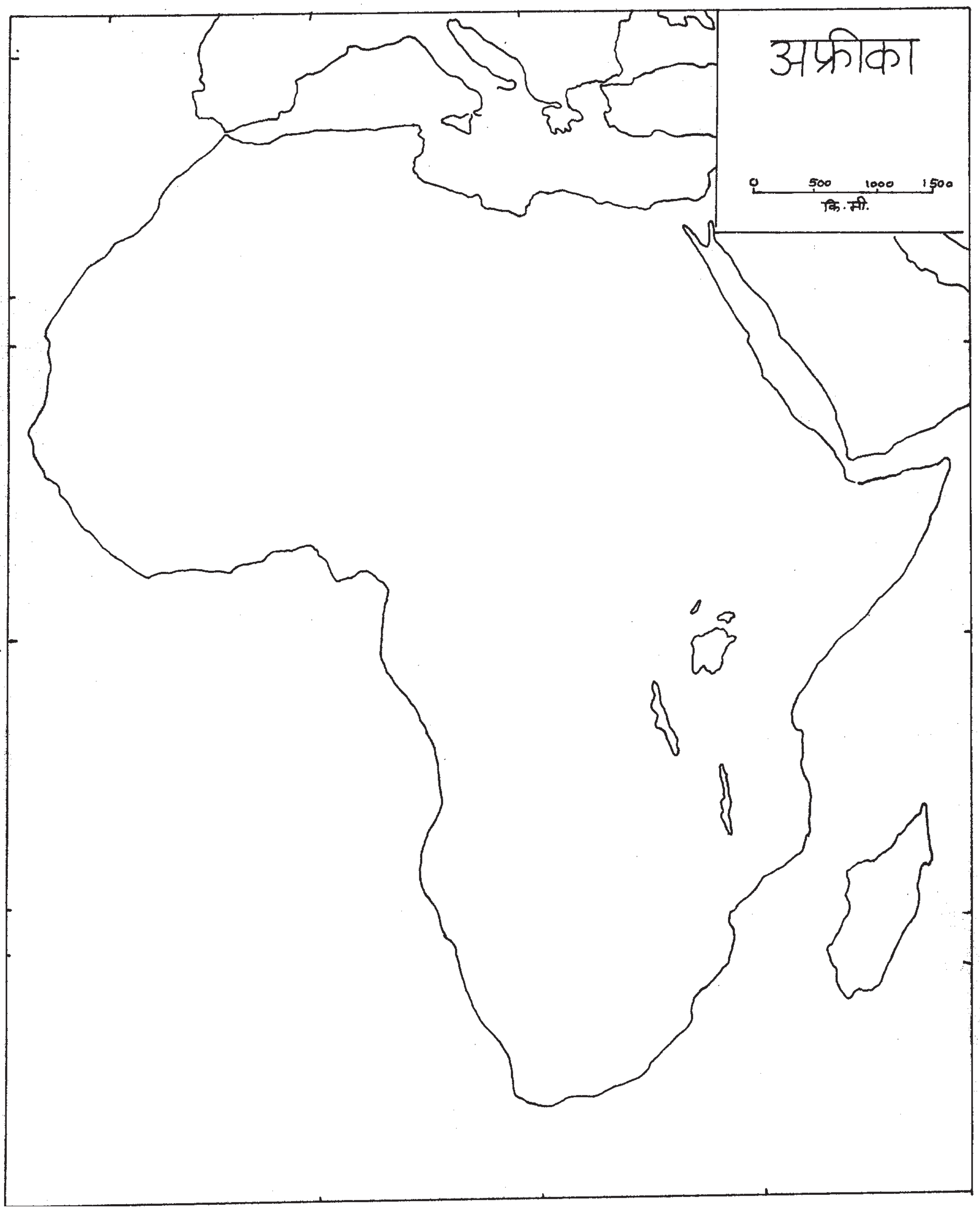
अफ्रीका
0 500 1000 1500
कि.मी.